2. वर्ण और वर्णमाला

वर्ण भाषा के मोती होते हैं जिन्हें उचित क्रम में जोड़ने से वर्णमाला बनती है। भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक/शिक्षिका सर्वप्रथम पाठ पृष्ठ 9 पर दी गई पंक्तियाँ पढ़ें फिर बच्चों से कहें कि आज वे वर्णों और वर्णमाला के बारे में जानेंगे।
- बच्चे वर्णों से पहले से परिचित हैं। उनकी पुनरावृत्ति करवाने के उद्देश्य से पृष्ठ 9 पर दी गई वर्णों की गतिविधि बच्चों से करने को कहें।
- समझाएँ, हमारे मुँह से जो भी ध्वनि या आवाज़ निकलती हैं उनका लिखित रूप वर्ण कहलाता है।
- बताएँ, वर्ण भाषा की सबसे छोटी ध्वनि होती है, जिसे तोड़ा या टुकड़े नहीं किए जा सकते।
- वर्णमाला के बारे में भी बताएँ।
- समझाएँ, हिंदी वर्णमाला में स्वर और व्यंजन दो प्रकार के वर्ण होते हैं। स्वरों की संख्या 11 है तथा व्यंजन संख्या में 33 होते हैं। 4 संयुक्त व्यंजन भी होते हैं।
- बच्चों से स्वर तथा व्यंजन वर्णों की दोहराई करने को कहें।
- बच्चों को वर्णमाला के 4 संयुक्त व्यंजनों से परिचित करवाएँ।

  क् + ष = क्ष, त् + र = त्र, ज् + ञ = ज्ञ तथा श् + र = श्र

  इनका शुद्ध उच्चारण तथा लेखन करवाएँ। तत्पश्चात पृष्ठ 11 पर इन वर्णों के वाक्य पढ़वाएँ।
- पृष्ठ 11 पर दिए कुछ विशेष बिंदुओं को समझाएँ। बताएँ, प्रत्येक व्यंजन में 'अ' शामिल होता है। बिना अ स्वर के व्यंजन आधा होता है– क्, ख्, घ् आदि। यह भी बताएँ कि वर्ण को आधा लिखने के लिए उसके नीचे हल चिह्न लगाया जाता है।
- बच्चों को ड़-ड तथा ढ़-ढ का भेद भी स्पष्ट करें। जैसे– पेड़-डमरू, पढ़ना-ढक्कन आदि शब्द बुलवाकर इनका उच्चारण अंतर बताएँ। यह भी बताएँ कि ड़ और ढ़ से कभी कोई शब्द शुरू नहीं होता है।
- अं, अँ और अः हिंदी वर्णमाला के दो अयोगवाह हैं। इनसे बच्चों को अवगत कराएँ। अं को अनुस्वार, अँ को अनुनासिक तथा अः विसर्ग रूप में संस्कृत शब्दों में लगाया जाता है।

- ❖ 'ऑ' आगत स्वर के रूप में हिंदी वर्णमाला में प्रयोग होता है। इसका प्रयोग अंग्रेज़ी शब्दों के लिए होता है, कॉपी, बॉल, डॉक्टर, टॉफ़ी आदि।
- ❖ प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा सही प्रकार से पाठ समझ पा रहा है।
- ❖ 'आपने सीखा' के बिंदुओं को बच्चों से पढ़वाकर पाठ की दोहराई करवा लें।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाने में यथोचित सहायता करें।